आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 19.02.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आज इंडिया ए०आई इम्पैक्ट समिट 2026 का औपचारिक उद्घाटन किया।
- राज्य के सभी आयुष चिकित्सालयों में रोगी पंजीकरण व्यवस्था को एक मार्च तक पूरी तरह से ऑनलाइन किया जाएगा।
- प्रदेश में नशे के खिलाफ कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए देहरादून में नार्को समन्वय केंद्र की 10वीं राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।
- रुद्रप्रयाग जिले की ग्राम पंचायत लड़ियासु में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना पूर्ण होने पर जल अर्पण दिवस मनाया गया।

इंडिया ए०आई० इम्पैक्ट समिट 2026

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आज इंडिया ए०आई इम्पैक्ट समिट 2026 का औपचारिक उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट को दुनिया की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक एआई इम्पैक्ट समिट बताया। उन्होंने कहा कि भारत में यह समिट हो रही है, और भारत, आज दुनिया की मानवता का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि इस समिट का भारत में आयोजन भारत के साथ–साथ पूरे ग्लोबल साउथ के लिए गर्व का विषय है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव इतिहास का एक परिवर्तनकारी दौर है।

उद्घाटन समारोह को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सहित विश्व के विभिन्न उद्योग जगत के शीर्ष नेताओं ने भी संबोधित किया। उद्घाटन सत्र के बाद नेताओं ने इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो का अवलोकन किया।

डिजिटलीकरण

राज्य के सभी आयुष चिकित्सालयों में रोगी पंजीकरण व्यवस्था को पूरी तरह से ऑनलाइन किया जाएगा। आयुष सचिव रंजना राजगुरु ने सचिवालय में आयोजित बैठक में चिकित्सालयों को सुदृढ़ बनाने और सेवाओं के डिजिटलीकरण पर जोर दिया तथा एक मार्च तक रोगी पंजीकरण व्यवस्था को ऑनलाइन बनाने के निर्देश दिए।

आयुष विभाग से जुड़े कार्यों की समीक्षा बैठक में आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान विभाग की विभिन्न योजनाओं तथा कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

इस दौरान सचिव आयुष ने अधिकारियों को प्रतिमाह कम से कम 8 चिकित्सालयों का निरीक्षण करने और दवाओं के स्टॉक रजिस्टर को नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में विभागीय कार्यों की निगरानी के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित करने, औषधि निरीक्षकों द्वारा फार्मेसियों का नियमित निरीक्षण करने और अपनी रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही आयुष चिकित्सालयों के उच्चीकरण, उपकरणों की स्थिति और कार्मिकों के प्रशिक्षण की भी समीक्षा की गई।

कार्रवाई

देहरादून के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र और उससे जुड़े एक निजी मेडिकल स्टोर के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दोनों के लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। यह कार्रवाई अनियमितताओं की शिकायत के बाद जांच में दोषी पाए जाने पर की गई।

जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में आयोजित जनता दर्शन में जन औषधि केंद्र पर दवाओं की उपलब्धता न होने और केंद्र संचालक द्वारा पास में ही निजी मेडिकल स्टोर संचालित किए जाने की शिकायत मिली थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल कुमार और वरिष्ठ औषधि निरीक्षक ने संयुक्त रूप से जांच की।

जांच में पाया गया कि संचालक बलवीर सिंह रावत द्वारा सीएचसी परिसर में जन औषधि केंद्र और करीब 25 मीटर की दूरी पर निजी मेडिकल स्टोर संचालित किया जा रहा था। जन औषधि केंद्र में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित सॉफ्टवेयर का उपयोग नहीं किया जा रहा था और दवाओं की मांग व आपूर्ति की प्रक्रिया भी नियमानुसार नहीं अपनाई गई थी। इसके कारण मरीजों को सस्ती दवाओं के बजाय निजी मेडिकल स्टोर से महंगी दवाएं खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा था। जांच में स्टॉक और इन्वेंट्री का रखरखाव भी अव्यवस्थित पाया गया और लाइसेंस से संबंधित दस्तावेजों में भी विसंगतियां सामने आईं।

इन अनियमितताओं के आधार पर वरिष्ठ औषधि निरीक्षक की संस्तुति पर जिला प्रशासन ने जन औषधि केंद्र और संबंधित निजी मेडिकल स्टोर, दोनों के औषधि विक्रय लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सस्ती और सुलभ दवाएं उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

समीक्षा बैठक

राज्य में नशे के खिलाफ कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में नार्को समन्वय केंद्र की 10वीं राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एन०डी०पी०एस एक्ट के तहत दर्ज मामलों की स्थिति और नशा मुक्ति से जुड़े प्रयासों की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि मादक औषधि एवं मनोरोगी पदार्थ अधिनियम से जुड़े मामलों में विवेचना और पैरवी प्रभावी ढंग से की जाए, ताकि नशे के कारोबार में शामिल लोगों को कड़ी सजा मिल सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लंबित 546 मामलों में दो माह के भीतर चार्जशीट दाखिल कर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने पौड़ी की जिलाधिकारी को कोटद्वार में नशा मुक्ति केंद्र के लिए उपयुक्त भवन चिन्हित कर उसका संचालन शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य के सभी जिलों के अस्पतालों में 5 से 10 बेड नशा मुक्ति केंद्र के लिए आरक्षित करने को कहा, ताकि नशे से प्रभावित लोगों को उपचार की सुविधा मिल सके।

बैठक में स्कूल–कॉलेजों में जागरूकता अभियान, एंटी ड्रग क्लब सक्रिय करने, पुनर्वास योजना बनाने और ड्रग डिटेक्शन किट के व्यापक उपयोग के निर्देश दिए गए। इस दौरान पुलिस व एसटीएफ की कार्रवाई की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

जल अर्पण दिवस

रुद्रप्रयाग जिले के जखोली ब्लॉक के ग्राम पंचायत लड़ियासु में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना पूर्ण होने पर जल अर्पण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लेख–लवाड़ी पेयजल योजना का भी लोकार्पण किया गया, जिसे 31 लाख 51 हजार रुपये की लागत से तैयार किया गया है। योजना के पूरा होने से अब गांव के प्रत्येक घर तक नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल पहुंच सकेगा, जिससे ग्रामीणों में उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम में विधायक भरत सिंह चौधरी ने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है और योजना पूर्ण होने से ग्रामीणों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

इस दौरान महिला मंगल दलों और स्कूली बच्चों ने जल संरक्षण को लेकर जन–जागरूकता रैली निकाली और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जल के महत्व के बारे में जानकारी दी।

यात्रा व्यवस्था निरीक्षण

आगामी 22 अप्रैल से शुरू होने वाली केदारनाथ धाम यात्रा को लेकर लोक निर्माण विभाग के अपर सचिव विनीत कुमार ने यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने रुद्रप्रयाग–गौरीकुंड राजमार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर यात्रा से पहले सभी जरूरी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। अपर सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों को व्यवस्थित करने के लिए लोक निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यात्रा मार्ग पर किये जा रहे कार्यों की जानकरी देते हुए बताया कि

ऋषिकेश–बदरीनाथ राजमार्ग पर 35 स्थानों पर कार्य चल रहा है, जिनमें से 12 स्थानों पर यात्रा से पहले काम पूरा कर लिया जाएगा।